भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1299
09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सेंट्रल लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर

1299. श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सेंट्रल लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर (सीएलएमसी) की स्थिति क्या है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने सेंट्रल लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किए गए हैं;

(ख) सरकार द्वारा वर्ष 2017 से वर्ष-वार आवंटित निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन का विश्लेषण किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (घ): भारत सरकार ने मां के स्वयं के दूध पिलाने की सुविधा के लिए सुरक्षित, पास्चुरीकृत दाता मानव दूध और स्तनपान प्रबंधन इकाइयों (एलएमयू) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (एनआईसीयू) और विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) में भर्ती बीमार, समय से पहले और जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं को दूध पिलाने के लिए व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) की स्थापना की है। वित्त वर्ष 2023-24 (तीसरी तिमाही तक) के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार,वर्तमान में देश भर में कार्यरत 50 व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र और 38 स्तनपान प्रबंधन इकाइयों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2023-24 तक स्तनपान प्रबंधन केंद्र कार्यक्रम (सीएलएमसी और एलएमयू) के लिए आवंटित निधियों का विवरण इस प्रकार है:

एनएचएम के तहत स्तनपान प्रबंधन केंद्रों के लिए वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2023-24 तक आवंटित धनराशि (लाख रुपये में)						
2017-18*	**2018-19***	**2019-20***	**2020-21***	**2021-22***	**2022-23**	**2023-24**
70014.17	68442.10	73913.47	84921.21	98083.71	3551.67	2203.36

* इसमें सभी बाल स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों जैसे मदर्स एब्सोल्यूट स्नेह कार्यक्रम, स्तनपान प्रबंधन केंद्र, राष्ट्रीय कृमिहरण दिवस, एनीमिया मुक्त भारत, पोषण पुनर्वास केंद्र, विटामिन ए अनुपूरण, नवजात और बचपन की बीमारियों का एकीकृत प्रबंधन, गहन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा; छोटे बच्चों के लिए गृह आधारित परिचर्या कार्यक्रम, गृह आधारित नवजात परिचर्या, नवजात स्थिरीकरण इकाई, नवजात शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, विशेष नवजात परिचर्या एकक, परिवार भागीदारी परिचर्या, बाल मृत्यु समीक्षा, बाल चिकित्सा-उच्च निर्भरता इकाई आदि के लिए बजट आबंटन शामिल है।

सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से स्तनपान प्रबंधन केंद्र के प्रभावी उपयोग को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सहायता प्रदान करती है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एलएमसी को सहायता देने और सुदृढ़ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहायक पर्यवेक्षण दौरों और सामान्य समीक्षा मिशन के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की नियमित समीक्षाएं की जाती हैं।

*****

अनुलग्नक

स्तनपान प्रबंधन केंद्रों (एलएमसी) की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा

(स्रोत: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्ट (तीसरी तिमाही तक)

क्र.सं.	राज्य	कार्यशील सीएलएमसी की संख्या	कार्यशील एलएमयू की संख्या
	भारत	**50**	**38**
1	असम	1	1
2	दिल्ली	0	2
3	गोवा	1	0
4	गुजरात	4	0
5	हरियाणा	0	2
6	केरल	2	0
7	मध्य प्रदेश	2	0
8	महाराष्ट्र	7	0
9	ओडिशा	2	8
10	राजस्थान	8	2
11	तमिलनाडु	19	20
12	तेलंगाना	2	2
13	उत्तर प्रदेश	1	1
14	पश्चिम बंगाल	1	0

*****